Ecc

Chapter 11

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

שַׁלַּח	לַחְמְךָ	עַל־	פְּנֵי	הַמָּיִם	כִּֽי־	בְרֹב	הַיָּמִים	תִּמְצָאֶֽנּוּ׃
भेज	तेरी-रोटी	पर-	सतह	पानी-की	क्योंकि-	बहुताई-में	दिनों-की	तू-पाएगा-उसे
H7971	H3899		H6440	H4325		H7230	H3117	H4672

तुम जहाँ भी जाओ, वहाँ उत्तम कार्य करो। थोड़े समय बाद तुम्हारे उत्तम कार्य वापस लौट कर तुम्हारे पास आएंगे।

2

תֶּן־	חֵלֶק	לְשִׁבְעָה	וְגַם	לִשְׁמוֹנָה	כִּי	לֹא	תֵדַע	מַה־	יִּהְיֶה	רָעָה	עַל־	הָאָֽרֶץ׃
दे-	भाग	सात-को	और-भी	आठ-को	क्योंकि	नहीं	जानता-तू	क्या-	होगी	बुराई	पर-	भूमि
H5414		H7651	H1571	H8083		H3808	H3045	H4100	H1961			H0776

जो कुछ तुम्हारे पास है उसका कुछ भाग सात आठ लोगों को दे दो। तुम जान ही नहीं सकते कि इस धरती पर कब क्या बुरा घट जाए?

3

אִם־	יִמָּלְאוּ	הֶעָבִים	גֶּשֶׁם	עַל־	הָאָרֶץ	יָרִיקוּ	וְאִם־	יִפּוֹל	עֵץ	בַּדָּרוֹם	וְאִם	בַּצָּפוֹן	מְקוֹם	שֶׁיִּפּוֹל	הָעֵץ	שָׁם	יְהוּא׃
यदि-	भर-जाएं	बादल	वर्षा	पर-	भूमि	उंडेलते-हैं	और-यदि-	गिरे	पेड़	दक्षिण-में	और-यदि	उत्तर-में	स्थान	जहाँ-गिरे	पेड़	वहीं	रहेगा
	H4390	H5645	H1653		H0776	H7324		H5307	H6086	H1864		H6828	H4725	H5307	H6086	H8033	

कुछ बातें ऐसी हैं जिनके बारे में तुम निश्चित हो सकते हो। जैसे बादल वर्षा से भरे हैं तो वे धरती पर पानी बरसाएंगे ही। यदि कोई पेड़ गिरता है चाहे दाहिनी तरफ गिरे, या बायीं तरफ। वह वहीं पड़ा रहेगा जहाँ वह गिरा है।

4

שֹׁמֵר	רוּחַ	לֹא	יִזְרָע	וְרֹאֶה	בֶעָבִים	לֹא	יִקְצוֹר׃
देखनेवाला	हवा	नहीं	बोएगा	और-देखनेवाला	बादलों-को	नहीं	काटेगा
H8104	H7307	H3808	H2232	H7200	H5645	H3808	

किन्तु कुछ बातें ऐसी होती हैं जिनके बारे में तुम निश्चित नहीं हो सकते। फिर भी तुम्हें एक अवसर तो लेना ही चाहिये। जैसे यदि कोई व्यक्ति पूरी तरह से उत्तम मौसम का इंतजार करता रहता है तो वह अपने बीज बो ही नहीं सकता है और इसी तरह कोई व्यक्ति इस बात से डरता रहता है कि हर बादल बरसेगा ही तो वह अपनी फसल कभी नहीं काट सकेगा।

5

כַּאֲשֶׁר	אֵינְךָ	יוֹדֵעַ	מַה־	דֶּרֶךְ	הָרוּחַ	כַּעֲצָמִים	בְּבֶטֶן	הַמְּלֵאָה	כָּכָה	לֹא	תֵדַע	אֶת־	מַעֲשֵׂה	הָאֱלֹהִים	אֲשֶׁר	יַעֲשֶׂה	אֶת־	הַכֹּל׃
जैसे	तू-नहीं	जानता	क्या-	मार्ग	आत्मा-का	हड्डियों-के-समान	गर्भ-में	भरी-हुई-के	वैसे-ही	नहीं	जानता-तू	को-	कार्य	परमेश्वर-का	जो	करता-है	को-	सब
	H0369	H3045	H4100	H1870	H7307	H6106	H0990	H4392	H3602	H3808	H3045	H0853	H4639	H0430			H0853	H3605

हवा का रूख कहाँ होगा तुम नहीं जान सकते। तुम नहीं जानते कि माँ के गर्भ में बच्चा प्राण कैसे पाता है? इसी प्रकार तुम यह भी नहीं जान सकते कि परमेश्वर क्या करेगा? सब कुछ को घटित करने वाला तो वही है।

6

בַּבֹּקֶר	זְרַע	אֶת־	זַרְעֶךָ	וְלָעֶרֶב	אַל־	תַּנַּח	יָדֶךָ	כִּי	אֵינְךָ	יוֹדֵעַ	אֵי	זֶה	יִכְשָׁר	הֲזֶה	אוֹ־	זֶה	וְאִם־	שְׁנֵיהֶם	כְּאֶחָד	טוֹבִים׃
सुबह-में	बो	को-	तेरा-बीज	और-संध्या-को	न-	रोक	तेरा-हाथ	क्योंकि	तू-नहीं	जानता	कौन-सा	यह	सफल-होगा	यह	या-	वह	और-यदि-	दोनों	एक-समान	अच्छे
H1242	H2232	H0853	H2233	H6153	H0408	H3240	H3027		H0369	H3045	H0335	H2088	H3787	H2088		H2088		H8147	H0259	

> इसलिये सुबह होते ही रूपाई शुरू कर दो और दिन ढले तक काम मत रोको। क्योंकि तुम नहीं जानते कि कौन सी बात तुम्हें धनवान बना देगी। हो सकता है तुम जो कुछ करो सब में सफल हो।

7

וּמָתוֹק	הָאוֹר	וְטוֹב	לַעֵינַיִם	לִרְאוֹת	אֶת־	הַשָּׁמֶשׁ׃
और-मीठा	प्रकाश	और-अच्छा	आँखों-के-लिए	देखना	को-	सूर्य
H4966	H0216			H7200	H0853	H8121

> जीवित रहना उत्तम है। सूर्य का प्रकाश देखना अच्छा है।

8

כִּי	אִם־	שָׁנִים	הַרְבֵּה	יִחְיֶה	הָאָדָם	בְּכֻלָּם	יִשְׂמָח	וְיִזְכֹּר	אֶת־	יְמֵי
क्योंकि	यदि-	वर्ष	बहुत	जिए	मनुष्य	उन-सब-में	आनंदित-हो	और-याद-करे	को-	दिन
		H8141		H2421	H0120	H3605	H8055	H2142	H0853	H3117

הַחֹשֶׁךְ	כִּי־	הַרְבֵּה	יִהְיוּ	כָּל־	שֶׁבָּא	הָבֶל׃
अंधकार-के	क्योंकि-	बहुत	होंगे	सब-	जो-आता-है	व्यर्थता
H2822			H1961	H3605	H0935	H1892

> तुम्हें अपने जीवन के हर दिन का आनन्द उठाना चाहिये! तुम चाहे कितनी ही लम्बी आयु पाओ। पर याद रखना कि तुम्हें मरना है और तुम जितने समय तक जिए हो उससे कहीं अधिक समय तक तुम्हें मृत रहना है और मर जाने के बाद तो तुम कुछ कर नहीं सकते।

9

שְׂמַח	בָּחוּר	בְּיַלְדוּתֶיךָ	וִיטִיבְךָ	לִבְּךָ	בִּימֵי	בְחוּרוֹתֶךָ	וְהַלֵּךְ	בְּדַרְכֵי
आनंदित-हो	जवान	तेरी-जवानी-में	और-भला-करे-तुझे	तेरा-हृदय	दिनों-में	तेरी-जवानी-के	और-चल	मार्गों-में
H8055	H0970	H3208	H3190		H3117	H0979	H1980	H1870

לִבְּךָ	וּבְמַרְאֵי	עֵינֶיךָ	וְדָע	כִּי	עַל־	כָּל־	אֵלֶּה	יְבִיאֲךָ	הָאֱלֹהִים
तेरे-हृदय-के	और-दृष्टि-में	तेरी-आँखों-की	और-जान	कि	पर-	सब-	इन	लाएगा-तुझे	परमेश्वर
	H4758		H3045			H3605	H0428	H0935	H0430

בַמִּשְׁפָּט׃
न्याय-में
H4941

> सो हे युवकों! जब तक तुम जवान हो, आनन्द मनाओ। प्रसन्न रहो! और जो तुम्हारा मन चाहे, वही करो। जो तुम्हारी इच्छा हो वह करो। किन्तु याद रखो तुम्हारे प्रत्येक कार्य के लिये परमेश्वर तुम्हारा न्याय करेगा।

10

וְהָסֵר	כַּעַס	מִלִּבֶּךָ	וְהַעֲבֵר	רָעָה	מִבְּשָׂרֶךָ	כִּי־	הַיַּלְדוּת	וְהַשַּׁחֲרוּת	הָבֶל׃
और-हटा	क्रोध	अपने-हृदय-से	और-दूर-कर	बुराई	अपने-शरीर-से	क्योंकि-	जवानी	और-यौवन	व्यर्थता
H5493					H1320		H3208	H7839	H1892

> क्रोध को स्वयं पर काबू मत पाने दो और अपने शरीर को भी कष्ट मत दो। तुम अधिक समय तक जवान नहीं बने रहोगे।